बस की सवारी

नैन्सी ज्वेल
चित्र: रोनाल्ड हिमलर

बस की सवारी

नैन्सी ज्वेल

चित्र: रोनाल्ड हिमलर

जेनी ने उस लंबी चांदी की बस को देखा जो उसे उसके दादाजी के पास ले जाएगी. बस उसे बहुत बड़ी लगी.

दरवाजे तक पहुँचने के लिए उसे एक छोटी सी भूरे रंग की लोहे की सीढ़ी पर चढ़ना पड़ेगा.

एक आदमी बस के साइड में एक बड़े छेद में सूटकेस रख रहा था.

जेनी को बस में अपने सूटकेस को नीचे रखने का विचार पसंद आया.

उसकी माँ एक आगे वाली महिला से बात कर रही थीं.

उनके हाथ में एक बड़ी पॉकेट बुक थी

जिसके साथ में एक नारंगी रंग की पत्रिका थी.

"मेरा नाम मिसेज़ रिवर है," महिला ने जेनी की ओर मुस्कुराते हुए कहा.

"अगर तुम्हें एक बूढ़ी औरत के बगल में बैठने में कोई आपत्ति नहीं हो,
तो हम एक ही सीट पर बैठ सकते हैं."

पापा ने बस ड्राइवर को जेनी का टिकट दिया.

और जेनी को पेट थोड़ा अजीब लगा जैसा कि लिफ्ट में होता था.

''याद रखना,'' माँ ने कहा, ''दादाजी तुमसे मिलने के लिए वहाँ होंगे.''

पापा ने कहा, "अपनी सीट से हमें हाथ हिलाना मत भूलना."

बस के अंदर गुफा की तरह काला और गीलापन था.

जेनी अपने चारों ओर बैठे लोगों की सरसराहट और बातें सुन सकती थी.

मिसेज़ रिवर को बस के लगभग पीछे की ओर एक जोड़ी खाली सीटें मिलीं.

“तुम खिड़की वाली सीट ले लो,” उन्होंने जेनी से कहा.

"मैं इस पुरानी बस में इतनी बार यात्रा कर चुकी हूं कि मुझे बाहर की सभी चीज़ें याद हो गई हैं.

इसके अलावा, तुम्हें अपनी माँ और पापा को भी बाई-बाई कहना होगा."

जेनी ने अपना चेहरा ठंडी गीली खिड़की के शीशे से दबाया.

बस चलने लगी.

"मैं यहां हूं!" जेनी तब तक चिल्लाती रही, जब तक माँ और पापा ने उसे देख नहीं लिया, तब तक वह कांच को पीटती रही.

फिर उसने भाप से भरे खिड़की के शीशे पर अपनी उंगली से अलविदा लिखना शुरू कर दिया,

लेकिन बस इतनी तेजी से आगे बढ़ी कि माँ और पापा उसे देख नहीं सके.

जेनी ने काली खाली सुरंग में घूरकर देखा.

वो चाहती थी कि उसकी माँ या पापा उसके पास बैठे हों.

बस बड़े चौड़े घेरों में घूमने लगी जिससे जेनी को चक्कर आने लगे.

अन्य बसों से चमकती पीली और सफेद रोशनी से उसकी आँखें चौंधिया गई थीं.

मिसेज़ रिवर ने जेनी को एक बड़ा सफेद रूमाल दिया,

"मुझे उम्मीद है कि तुम्हें अभी भी अपने माँ और पापा की याद आ रही होगी,"

फिर उन्होंने अपनी पॉकेटबुक से संतरा निकाला.

"कुछ-कुछ याद आ रही है," जेनी ने कहा.

लेकिन मिसेज़ रिवर को यह ज़ोर से कहते हुए सुनने के बाद

जेनी को पेट में जो अजीब महसूस हो रहा था वो तुरंत ठीक हो गया.

मिसेज़ रिवर ने अपनी उंगली से संतरे में एक छेद किया और उसे छीला.

"यह तुम्हारा आधा हिस्सा है, जेनी," उन्होंने कहा.

"नहीं, धन्यवाद," जेनी ने कहा.

मिसेज़ रिवर ने कहा, "मेरे साथ इसे साझा करके तुम मुझ पर सच में एक उपकार करोगी."

"जब मैं पूरा संतरा खाती हूं तो मुझे हमेशा गैस हो जाती हैं."

जेनी ने सोचा मिसेज़ रिवर शायद बहाना बना रही थीं ताकि वो संतरा ले ले, लेकिन जेनी इतनी प्यासी थी कि वो मना नहीं कर सकी.

जेनी ने ठंडी नारंगी भाग को चूसा और खिड़की से बाहर देखा.

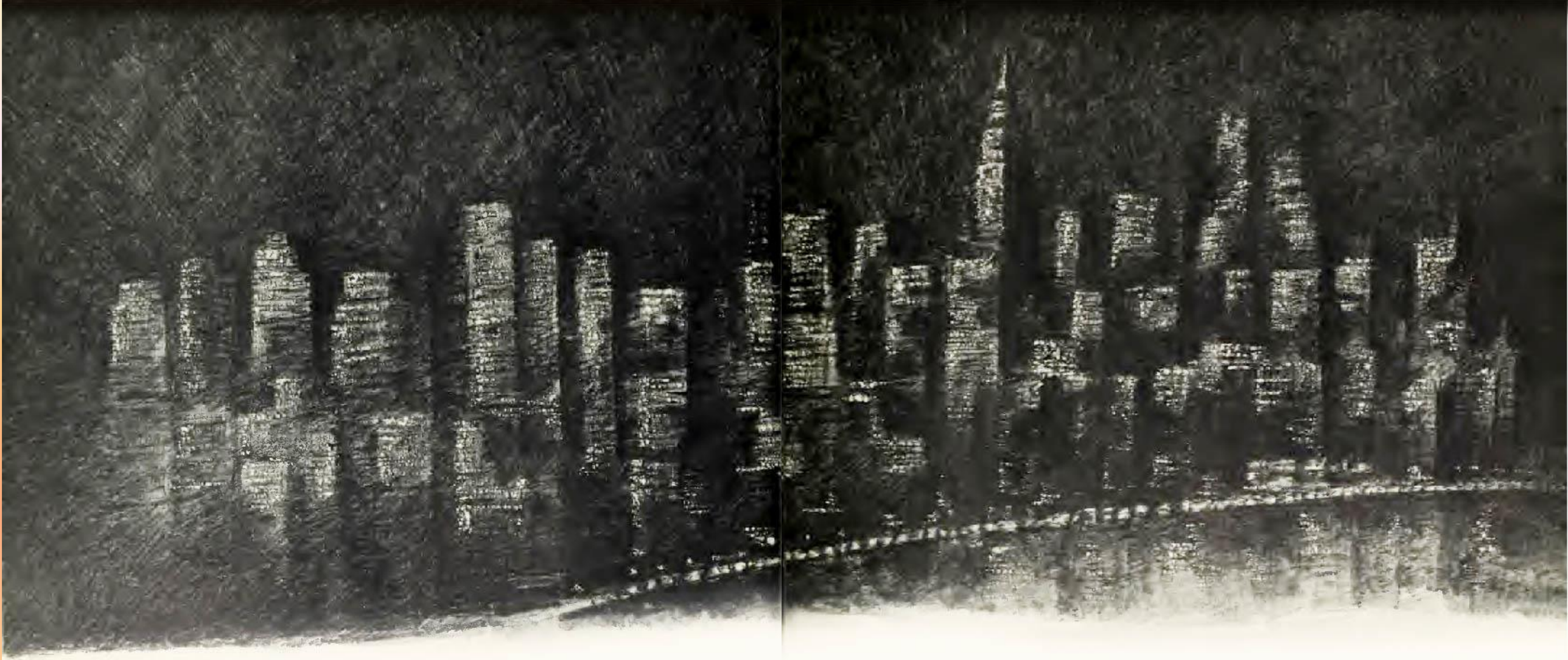

बस एक चौड़ी नदी पर बने पुल पर थी.

दूर, ऊंची कांच और चांदी की इमारतों की एक लंबी कतार सैकड़ों छोटी रोशनी से जगमगा रही थी.

नीचे देखने पर, जेनी को हरे, लाल और पीले रंग दिखाई दे रहे थे,

सभी रंग एक साथ मिल गए और चांदी के पानी पर चमकने लगे.

नदी एक दर्पण की तरह थी जिसमें शहर खुद को देख सके.

"अब यह वाकई में देखने वाली चीज़ है," मिसेज़ रिवर ने कहा.

"मैं रात में उस पुराने शहर के क्षितिज को देखकर कभी नहीं थकती हूँ."

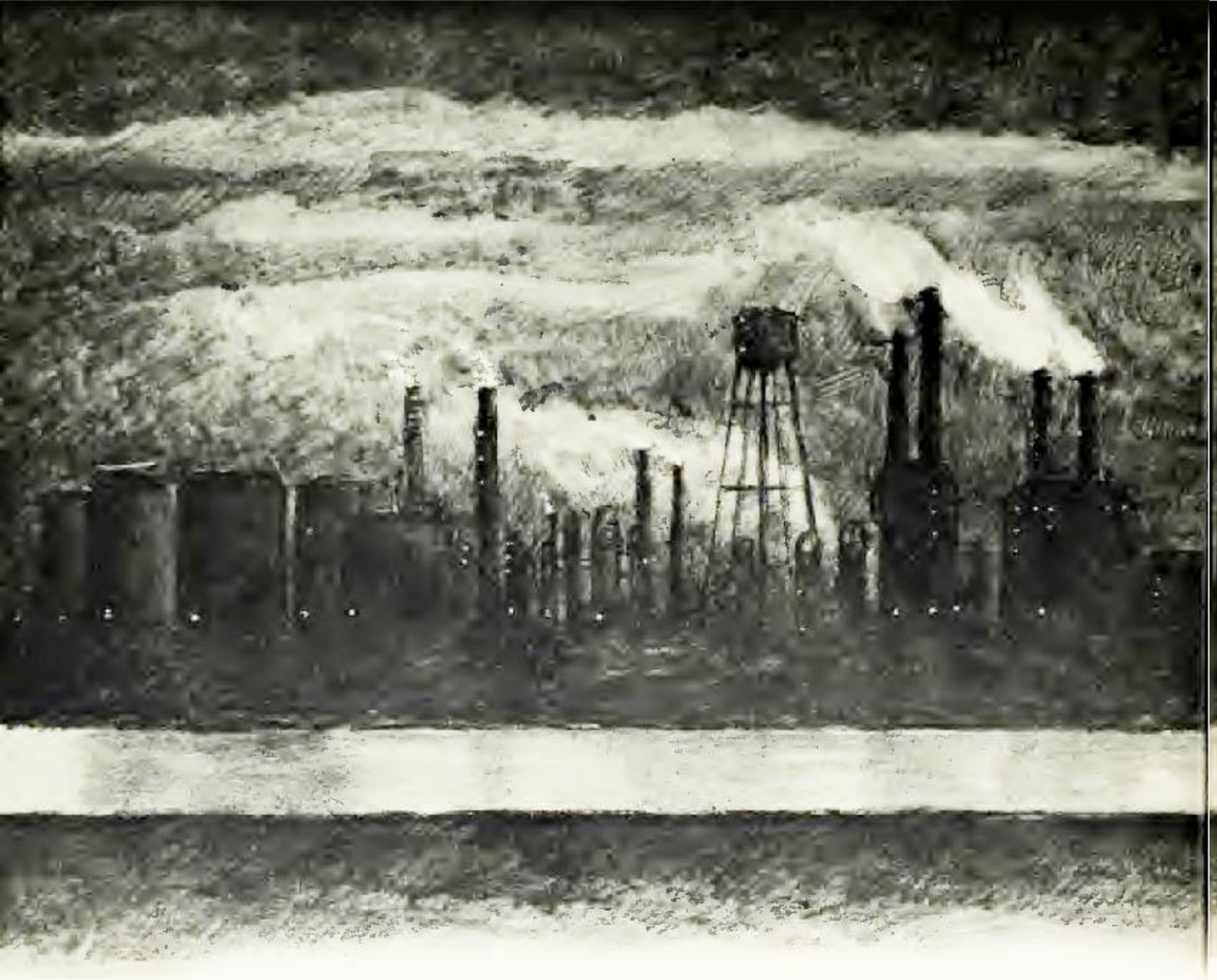

बस एक समतल राजमार्ग पर चलती गई. वो बहुत सारे मोटे टैंकों और ऊंचे टावरों से गुज़री जिनके शीर्ष से आग और धुआं निकल रहा था. वो एक प्रकार से डरावना था,

लेकिन स्याह आसमान के सामने सफेद धुआं और नारंगी-नीली लपटें बहुत सुंदर लग रही थीं.

"वे तेल और गैस टैंक हैं" मिसेज़ रिवर ने कहा.

"मतलब, बदबूदार पुरानी चीज़ें. लेकिन रात में उनमें अपनी तरह की एक ख़ास सुंदरता आ जाती है."

जेनी ने रात के खाने का अपना पेपर बैग खोला और अपनी आधी सैंडविच और केक मिसेज़ रिवर को भेंट की.

मिसेज़ रिवर ने कहा, "तुम बस मुझे उस केक का एक छोटा सा टुकड़ा दो."

"तुम्हारी माँ नहीं चाहेंगी कि तुम अपना सारा खाना मुझे दे दो."

जेनी ने अपना दूध का डिब्बा पी लिया, उसके बाद उसे बाथरूम जाना पड़ा.

बाथरूम इतना छोटा था कि जेनी को आश्चर्य हुआ कि क्या मिसेज़ रिवर उसमें फिट हो पाएंगी.

बस इतनी उछली कि टॉयलेट सीट से गिरने से बचने के लिए जेनी को दरवाज़े का हैंडल पकड़ना पड़ा.

टॉयलेट को फ्लश करने के लिए जेनी ने पैर से एक पैडल दबाया.

पानी नल से सिंक में एक छोटी सी धारा में बहने लगा.

जेनी को बस का बाथरूम मज़ेदार लगा,

लेकिन मिसेज़ रिवर ने कहा कि उन्हें इमारतों के बाथरूम अधिक पसंद थे

क्योंकि वे इधर-उधर घूमते नहीं थे.

"मैं अब झपकी लेने जा रही हूँ," मिसेज़ रिवर ने कहा.

"तुम निश्चिंत रहो और अगर तुम्हें किसी चीज़ की ज़रूरत हो या बात करने के लिए कोई साथी चाहो तो मुझे जगा देना."

मिसेज़ रिवर ने अपनी कुर्सी की भुजा पर एक बटन दबाया,

और फिर उनके सीट का पूरा ऊपरी हिस्सा पीछे की ओर खिसकने लगा.

जेनी ने यह देखने के लिए अपना बटन भी दबाया कि क्या उसकी सीट भी पीछे हटेगी.

फिर उसने उसे एक धक्का दिया और सीट को वापस ऊपर कर दिया.

बस के बाहर अब घुप्प अंधेरा था.

अंदर तो लगभग अँधेरा ही था.

पूरे गलियारे में केवल एक छोटी सी छत की रोशनी चमक रही थी.

हरे रंग की पोशाक में एक महिला खिड़की के पास एक पत्रिका पढ़ रही थी.

उसके बगल वाला आदमी गत्ते के डिब्बे में से चिकन खा रहा था.

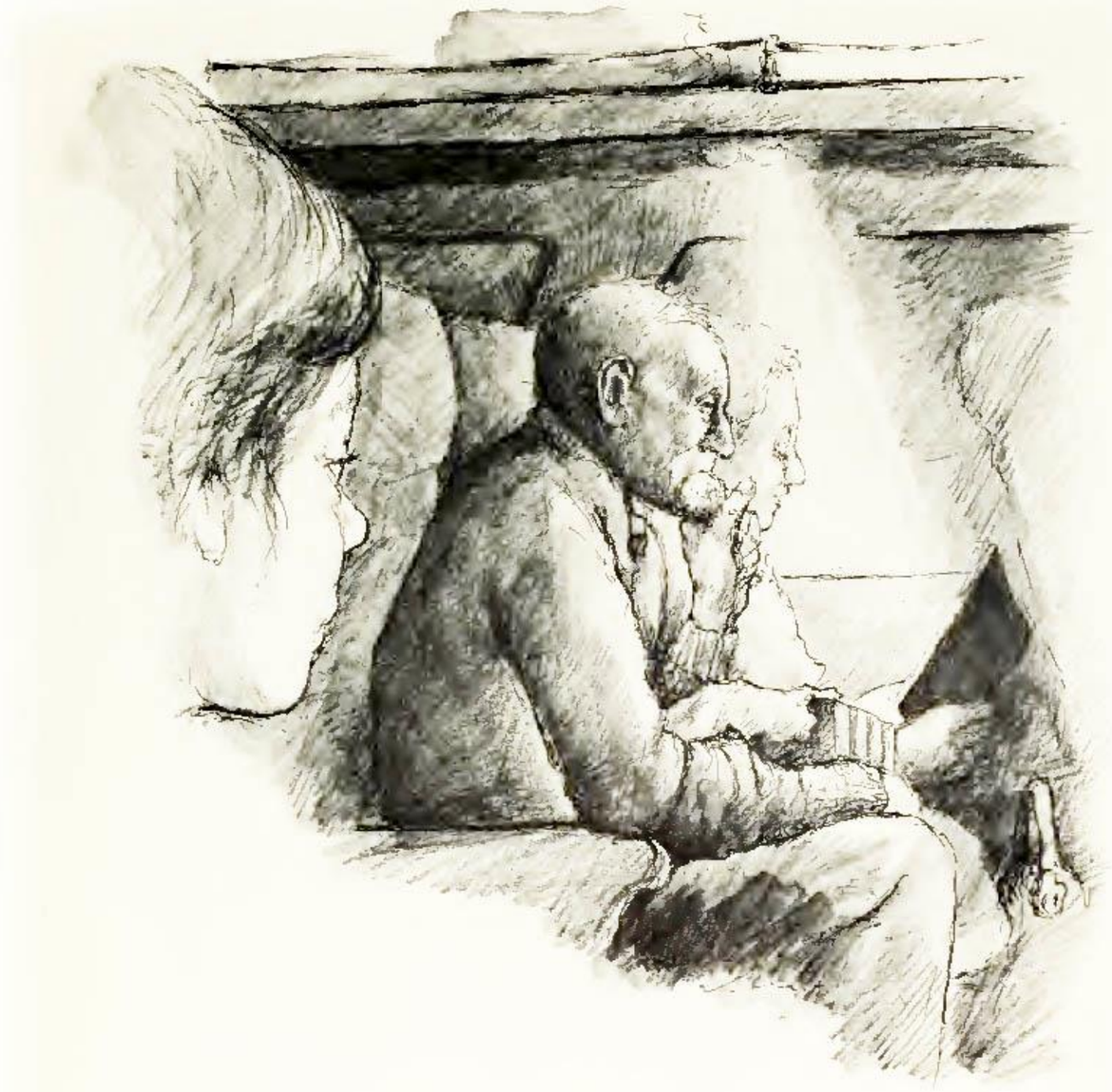

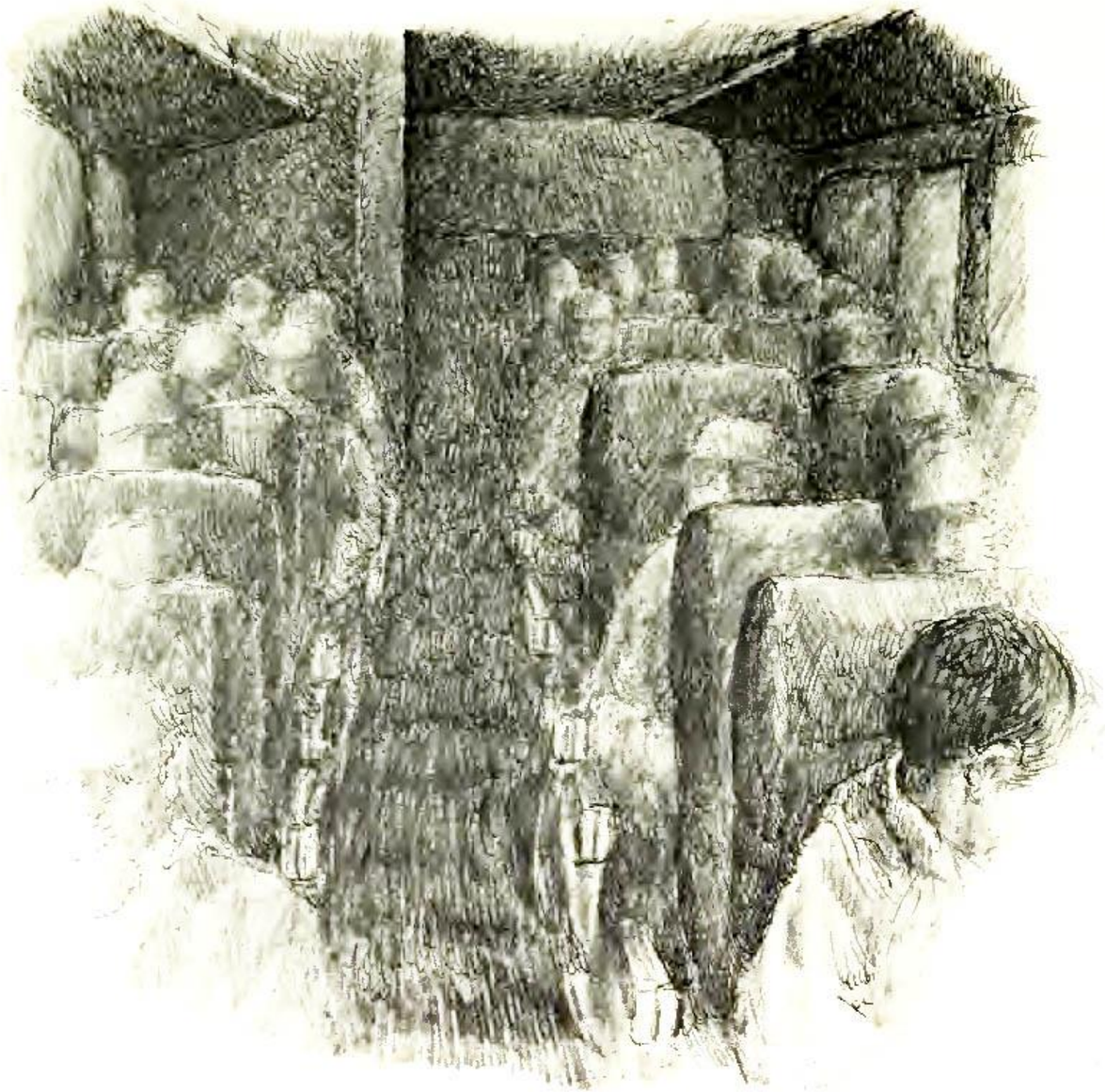

बस के इंजन की धीमी गड़गड़ाहट के बीच, जेनी कई अन्य आवाज़ें सुन सकती थी.
गलियारे के पार का आदमी खर्राटे ले रहा था.
और कोई बस में रेडियो संगीत बजा रहा था.
समय-समय पर कुछ उछलता रहता था.
जेनी को पूरा यकीन था कि वो बबल-गम होगा.
अँधेरे में बैठ कर बस की आवाज़ें सुनने में उसे मज़ा आ रहा था.
और जेनी को बस का एहसास पसंद आया
बस इतनी सहजता और तेजी से आगे बढ़ रही थी कि लगता था वो अभी भी खड़ी थी.
"उठो, बेटी," मिसेज़ रिवर ने कहा.
"मैं सोई नहीं थी," जेनी ने अपनी आँखें खोलते हुए कहा,
मिसेज़ रिवर ने कहा, "तुम पूरे दो घंटे तक सोती रहीं."
"मैं नहीं चाहती कि तुम अब बाहर के दृश्यों को मिस करो.
अब हम असली ग्रामीण इलाके में हैं."

जेनी ने अपनी आँखें मलीं और खिड़की से बाहर देखा.

उनके चारों ओर गोल चोटियों वाली अंधेरी पहाड़ियाँ थीं.

वे इतने करीब थीं कि जेनी आगे बढ़कर एक को छूना चाहती थी.

चंद्रमा इतना नीचे था कि ऐसा लग रहा था मानो वो किसी पहाड़ी की चोटी पर बैठा हो.

वे एक पत्थर के घर के सामने से गुज़रे जिसकी एक खिड़की में पीली रोशनी चमक रही थी.

बड़ी-बड़ी पहाड़ियों और काले आसमान के सामने घर बहुत छोटा लग रहा था.

"क्या यहाँ लोगों को अकेलापन महसूस होता है?" जेनी ने पूछा.

मिसेज़ रिवर ने कहा, "देखो लोग कहीं भी अकेला महसूस कर सकते हैं."

"लेकिन यहां उन्हें गांव का अकेलापन मिलता है. जो शहर के अकेलेपन से अलग है."

"क्या हम लगभग वहाँ पहुँचने वाले हैं?" जेनी ने पूछा.

मिसेज़ रिवर अपनी पॉकेटबुक में इधर-उधर ढूंढती रहीं और अंत में उन्होंने पीले नंबरों वाली एक बड़ी अलार्म घड़ी निकाली जो अंधेरे में चमक रही थी.

"यदि यह पुरानी बस सही समय पर होगी," उन्होंने कहा,

"तो तुम दस मिनट में अपने दादाजी से मिल पाओगी."

अब जब वे इतने करीब थे, तो जेनी को लगा कि अब वो दादाजी को देखने के लिए एक मिनट भी और इंतज़ार नहीं कर सकेगी.

उसने अपने बालों में छह बार कंघी की और कुछ मीठी गोलियां चबायीं,

मिसेज़ रिवर ने एक छोटी प्लास्टिक की बोतल से कुछ स्प्रे अपने मुँह में डाला.

"यह दांतों को तोड़े बिना आपकी सांस को मीठा कर देता है," उन्होंने कहा.

"इन बस यात्राओं के बाद मेरे मुँह का स्वाद हमेशा आलू की बोरी जैसा हो जाता है."

बस झटके से रुक गयी.

फिर इतनी शांति हो गई कि जेनी अपने कानों की आवाज़ सुन सकती थी.

"लगता है अब हमें एक-दूसरे से अलविदा कहना होगा, जेनी," मिसेज़ रिवर ने कहा.

"लेकिन मुझे लगता है कि हम इस पुरानी बस में फिर कभी मिलेंगे."

"फिर हम दुबारा एक साथ बैठेंगे," जेनी ने मिसेज़ रिवर की ओर इशारा करते हुए कहा.

जेनी का एक हिस्सा दादाजी के पास भागना चाहता था, लेकिन उसका एक हिस्सा मिसेज़ रिवर के साथ बस में रहना चाहता था.

मिसेज़ रिवर ने कहा, "अब तुम जल्दी से अपने दादाजी के पास जाओ."

"मैं बस में से तुम्हें हाथ हिलाऊंगी."

गलियारे से नीचे जाते हुए, जेनी को दरवाजे से आने वाली ठंडी हवा महसूस हुई.

उसके आगे के लोग कछुए की तरह धीमी गति से आगे बढ़ रहे थे.

जेनी ने नहीं सोचा था कि वो कभी वहाँ पहुँच पाएगी.

फिर अचानक, वो छोटी सीढ़ियों से कूदकर सीधे दादाजी की बाहों में आ गई.

दादाजी ने उसे इधर-उधर घुमाया.

"चलो चलकर अपना सूटकेस ले लें," उन्होंने कहा.

लेकिन जेनी बस के पीछे की ओर भागी.

मिसेज़ रिवर ने खिड़की खोली और वो बाहर झुक गईं.

"अगली बार जब मैं इस पुरानी बस में सवारी करूंगी," वो चिल्लाईं,

"मैं तुम्हारे आने का इंतज़ार करूँगी."

"मैं भी," जेनी चिल्लाई.

बस चलने लगी.

मिसेज़ रिवर ने अपना सफेद रूमाल खिड़की से बाहर लहराया.

जेनी ने तब तक पीछे हाथ हिलाया जब तक बस अंधेरे में केवल एक चांदी का बिंदु बनकर रह गई.

"वो मिसेज़ रिवर थीं!" उसने दादाजी से कहा.

"हम शहर से पूरे रास्ते एक साथ बैठकर आए."

अंत